

---

# Guru Stotram

---

गुरुस्तोत्रम् अथवा बृहस्पतिस्तोत्रम्

---

## Document Information

---

Text title : gurustotram

File name : gurustotram.itx

Category : navagraha, stotra

Location : doc\_z\_misc\_navagraha

Transliterated by : KSR Ramachandran ramachandran\_ksr at yahoo.ca

Proofread by : KSR Ramachandran ramachandran\_ksr at yahoo.ca

Description-comments : From Grantha/Tamil book Adityadi Navagraha Stotra

Latest update : June 28, 2012

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 22, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Guru Stotram

---

गुरुस्तोत्रम् अथवा बृहस्पतिस्तोत्रम्

---



अथ गुरुस्तोत्रम् ।

बृहस्पतिः सुराचार्यो दयावान् शुभलक्षणः ।

लोकत्रयगुरुः श्रीमान्सर्वज्ञः सर्वकोविदः ॥ १ ॥

सर्वेशः सर्वदाऽभीष्टः सर्वजित्सर्वपूजितः ।

अक्रोधनो मुनिश्रेष्ठो नीतिकर्ता गुरुः पिता ॥ २ ॥

विद्यात्मा विश्वकर्ता य विश्वयोनिरयोनिजः ।

भूर्भुवःसुवरो यैव भर्ता यैव मंडाबलः ॥ ३ ॥

पञ्चविंशतिनामानि पुण्यानि नियतात्मना ।

वसता नन्दभवने विष्णुना कीर्तितानि वै ॥ ४ ॥

यः पठेत् प्रातरुत्थाय प्रथतः सुसमाहितः ।

विपरीतोऽपि भगवान्प्रीतो भवति वै गुरुः ॥ ५ ॥

यश्छृणोति गुरुस्तोत्रं चिरं श्रुवेन्न संशयः ।

बृहस्पतिङ्गता पीडा न कदाचिद्भविष्यति ॥ ६ ॥

इति गुरुस्तोत्रं सम्पूर्णात् ।

Encoded and proofread by KSR Ramachandran ramachandran\_ksr at yahoo.ca

---



Guru Stotram

pdf was typeset on December 22, 2023

---



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

